

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—लण्ड 3—डप-लण्ड (il)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्रापिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

#• 527] No. 527] नई दिल्ली, ब्**धवार, मवम्बर 17, 1982/कार्तिक 26, 1904**

NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 17, 1932/KARTIKA 26, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह असग संकलन के रूप में रका ला सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation

उद्योग मंत्रालय

(ग्रीद्योगिक विकास विसाग)

आवंश

नई विश्ली १७ तवस्वर, 1982

कार आर 810(अ)/18कक/आई की आर ए/82---भारत सरकार, के उद्योग मंत्रालय (श्रीद्योगिक विकास विभाग) के आदेण संरकार 767 (श्र) तारीख 23 प्रकृतर, 1991 (जिस इसमें इसके परणात उक्त आदेश कहा गया है) द्वारा मेमर्ग मोहिन/मिन्स लिमिटेड, बेलगिईया, पश्चिम बंगाल नामक खोदीिशक उपप्रम का मंपूर्ण प्रवंध उद्योग (विकास भीर विनियमन) श्रीद्यानियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कि के उपधारा (1) के खंड (ख) के अर्धन नीस दिन की अविधि के लिए यहण किया गया था और नेशनल टेक्सटाइल कार्पोरंशन निमिटेड, मूर्य किरण भवन, कम्लुरवा गांधी मार्ग, नई दिल्ली को उक्त धीदीिक उपक्रम का प्रवस्त ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया गया था;

प्रीर भारत सरकार के उद्योग महालय (प्रीयोगिक विकास विभाग) के धादेश संब काव्याव 821 (प्र)/18कक/धाईडिंग्नारए/81 नारिंख 21 नवस्वर, 1981 द्वारा उक्त धादेश की प्रविध 22 नवस्वर, 1981 से छह साम की धीर धवधि के लिए बढा दी गई थी.

भीर भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (भीकोगिक विकास विभाग) के भाषेण संक्षाव्या (10(5)(भ)/18 कर्क/ब्राईडीभार ए/82 तारीख 21 मई 1982 द्वारा उक्त भाषेश के भवि 22 मई, 1982 से छह साम की भीर अविध के लिए वहा दें गई थी ;

श्रीर केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोकहिल में यह समीचीन है कि उन्त श्रीद्योगिक उपक्रम छह मास की श्रीर धवधि के लिए उनक नेशनल टैक्सटाइल कार्पोरेशन लिमिटेड के प्रबंध के श्रद्धीन बना रहना चाहिए:

भन केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास घीए विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निवेश देनी है कि उक्त आदेश 21 मई, 1985 तक की घीर प्रविध के लिए, जिसमें बहु तारिख भी सम्मिलन है, प्रभावी बना रहेगा।

[फाइल सं० 2 (5) /81-स**े ग**एस]

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 17th November, 1982

S.O. 810(E)/18AA/IDRA/82.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S. O. 767 (E), dated the 23rd October, 1981 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the whole of the industrial undertaking known as Messrs Mobini Mills Limited, Belgharia, West Bengal, was taken over under clause (b) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of thirty days and the National Textile Corporation Limited, Surya Kiran Building, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi, was

authorised to take over the management of the said industrial andertaking:

And, whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S. O. 821(E)/18AA/1DRA/81, dated the 21st November, 1981, the period of the said Order was extended for a further period of six months commencing from the 22nd November, 1981;

And, whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S. O. 340(5) (E)/18AA/IDRA/82, dated the 21st May, 1982, the period of the Order, was extended for a further period of six months commencing from 22nd May, 1982;

And, whereas the Central Government Is of the opinion that it is expedient in the public interest that the said industrial undertaking should continue under the management of the said National Textile Corporation Limited for a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act. 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period of six months upto and inclusive of 21st May, 1983.

[F. No. 3(5)/81-CUS]

का॰ आ॰ 811(अ)/18 चक /आई डी आर ए/82--केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (ब्रोद्योगिक विकास विभाग) के प्रादेश का०घा० 783 (घ)/18चछ/ब्राइंडिंब्रारए/81 तारींख 2 नवम्बर, 1981 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त ग्रावेश कहा गया है) द्वारा उद्योग (विकास और विनियमन) प्रधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 चल की उपघारा (1) के खण्ड (व) द्वारा प्रदस्त गक्तियों का प्रयोग करने हुए, यह घोषणा की घी कि उक्त भादेश के जारी होने की तारीख से ठीक पूर्व प्रवृत्त ऐसी सभी संविदामों, सम्पत्ति के हस्तान्तरणपत्नों, करारों, व्यवस्थापनों, पंचाटों, स्थायी भावेशों या भन्य लिखतों का (उनसे भिन्न को वैंकों भौर वित्तीय संस्थाभों के प्रतिभृत दायित्वों से संबंधित हैं), जिनका मैसर्स मोहिनी भिल्स लिमिटेड, बेलबरिया मामक भौद्योगिक उपक्रम एक पक्षकार है या जो ऐसे भौधोणिक उपक्रम को लागू हों, प्रवर्तन 21 नवम्बर, 1981 तक की भवधि के लिए, जिसमें वह तारीख भी समिनलित है, भिलंबित रहेगा भीर उक्त तारीख के पूर्व उसके ब्रबीन प्रोद्भूत होने वाले सभी प्रविकार, विशेषाधिकार, बाध्यताएं भीर वाबित्व उक्त ग्रवधि के लिए निलंभिबत रहेंगे;

भीर भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (भौधोगिक विकास विभाग) के भावेग संक्काब्झा 822(भ्र)/18भव/माईडीमारए/81 साव 21-11-81 भीर काब्झा 341 (म्र)/18चव/माईडीमारए/82 ताव 21 मई, 1982 द्वारा उक्त भादेश की भवधि 21 नवम्बर 1982 तक, जिसमें वह तारीख भी सम्मिलित हैं बढ़ा दी गई भी;

ग्रीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त भावेश की ग्रवधि 6 माम की ग्रीर घवधि के लिए बढ़ा दी जानी चाहिए,

मतः केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास भौर विनियमन) मिश्रिनियम 1951 (1951 का 65) को घारा 18नव का उप-घारा (2) के साम पिठत उपभारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रवत्त शित्रयों का प्रयीग करते हुए, उक्त आदेश की अविधे 21 मई 1983 तक, जिसमें वह तारीखभी सांस्मिलित है, बढ़ाता है।

[फा॰सं॰ 3(5)/81-सीय्एस] ए॰पी॰ सरवन, संयुक्त संयव

S.O. 811(E)/18FB/IDRA/82.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S. O. 783(E)/18FB/IDRA/81, dated the 2nd November, 1981 (herein after referred to as the said Order), the Central Government, in exercise of the powers conferred by clause (b) of subsection (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that the operation of all or any of contracts, assurances, of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of the said Order (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the industrial undertaking konwn as Messrs Mohini Mills Limited, Belghria, West Bengal, is a party or which may be applicable to the said industrial undertaking shall remain suspended for a period upto and inclusive of the 21st November, 1981 and that all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period;

And, whereas by the Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S. O. 822(E)18FB/IDRA/81, dated the 21st November, 1981 and S. O. No. 341(E)/18FB/IDRA/82, dated the 21st May, 1982, the said Order was extended for the period upto and inclusive of the 21st November, 1982;

And, whereas the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order upto and inclusive of 21st May, 1983.

[F. No. 3(5)/81-CUS]
A. P. SARWAN, Jt. Secy.